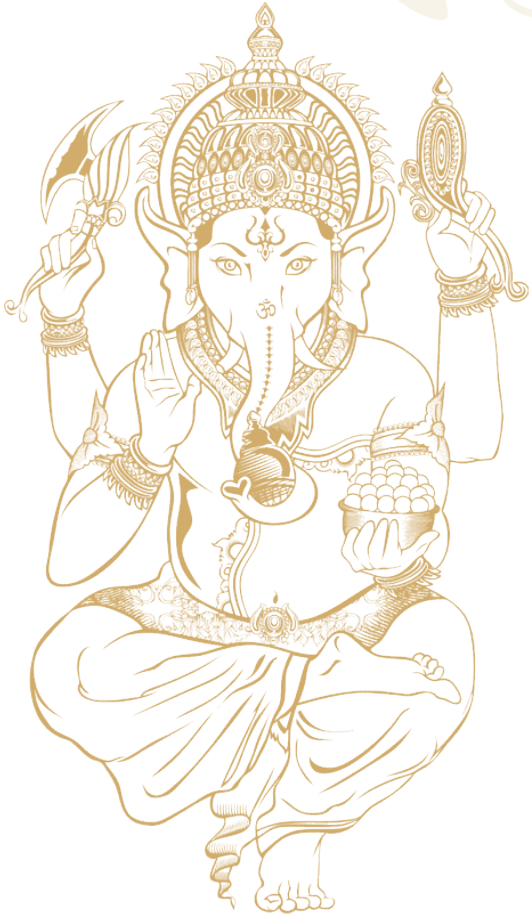

m

khusbu

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121333701

Order No: 121333701 Date: 19/02/2026

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/04/1997	जन्म तिथि	25/02/1998
शनिवार	दिन	बुधवार
घंटे 07:45:00	जन्म समय	17:38:00 घंटे
घटी 04:44:38	जन्म समय(घटी)	26:45:15 घटी
India	देश	India
Hamirpur	स्थान	Bareilly
31:38:00 उत्तर	अक्षांश	28:20:00 उत्तर
76:36:00 पूर्व	रेखांश	79:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:36	स्थानिक संस्कार	-00:12:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:51:08	सूर्योदय	06:41:58
18:54:54	सूर्यास्त	18:09:26
23:49:08	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:48
वृष	लग्न	सिंह
शुक्र	लग्न लग्नाधिपति	सूर्य
सिंह	राशि	मकर
सूर्य	राशि-स्वामी	शनि
पू०फाल्गुनी	नक्षत्र	धनिष्ठा
शुक्र	नक्षत्र स्वामी	मंगल
3	चरण	1
ध्रुव	योग	परिघ
बव	करण	शकुनि
टी-टीकम	जन्म नामाक्षर	गा-गामिनी
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
क्षत्रिय	वर्ण	वैश्य
वनचर	वश्य	जलचर
मूषक	योनि	सिंह
मनुष्य	गण	राक्षस
मध्य	नाड़ी	मध्य
श्वान	वर्ग	मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि		ग्रह		राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 5वर्ष 4मा 28दि		09:18:55	वृष		लग्न		सिंह	06:48:59	मंगल 5वर्ष 7मा 10दि	
राहु		05:15:14	मेष		सूर्य		कुंभ	12:51:12	गुरु	
16/09/2025		23:03:33	सिंह		चंद्र		मक	25:58:36	07/10/2021	
17/09/2043		23:24:03	सिंह	व	मंगल		मीन	00:35:35	07/10/2037	
राहु	29/05/2028	15:01:28	मेष	व	बुध		कुंभ	15:32:56	गुरु	25/11/2023
गुरु	23/10/2030	24:07:33	मक		गुरु		कुंभ	11:13:02	शनि	07/06/2026
शनि	29/08/2033	09:30:26	मेष		शुक्र		मक	01:17:00	बुध	12/09/2028
बुध	17/03/2036	18:48:47	मीन		शनि		मीन	23:53:15	केतु	19/08/2029
केतु	05/04/2037	04:43:10	कन्या		राहु	व	सिंह	16:42:10	शुक्र	19/04/2032
शुक्र	04/04/2040	04:43:10	मीन		केतु	व	कुंभ	16:42:10	सूर्य	05/02/2033
सूर्य	27/02/2041	14:36:53	मक		हर्ष		मक	16:27:01	चन्द्र	07/06/2034
चन्द्र	29/08/2042	06:05:36	मक		नेप		मक	07:08:28	मंगल	14/05/2035
मंगल	17/09/2043	11:19:29	वृश्चिक	व	प्लूटो		वृश्चिक	14:10:44	राहु	07/10/2037

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

23:49:08 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:48

लग्न-चलित

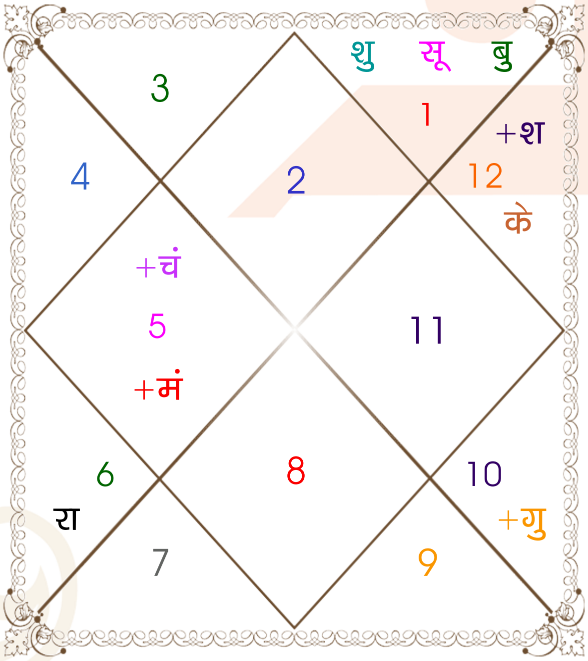

लग्न-चलित

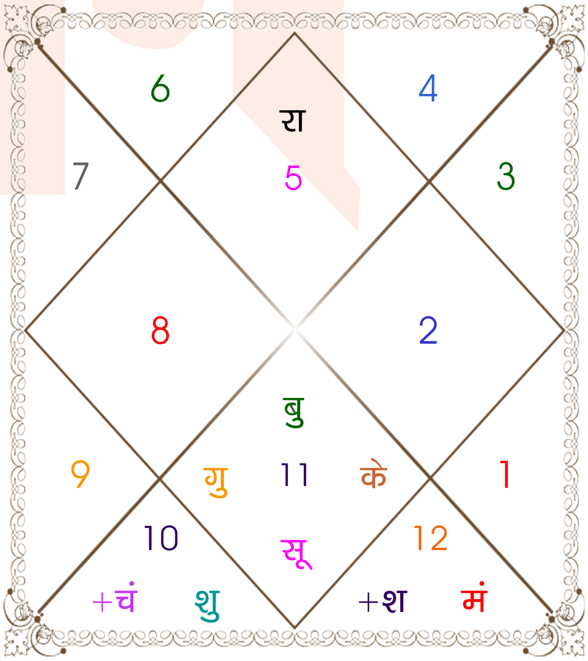

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मूषक	सिंह	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	शनि	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	मकर	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	5.50		

कुल : **5.5 / 36**

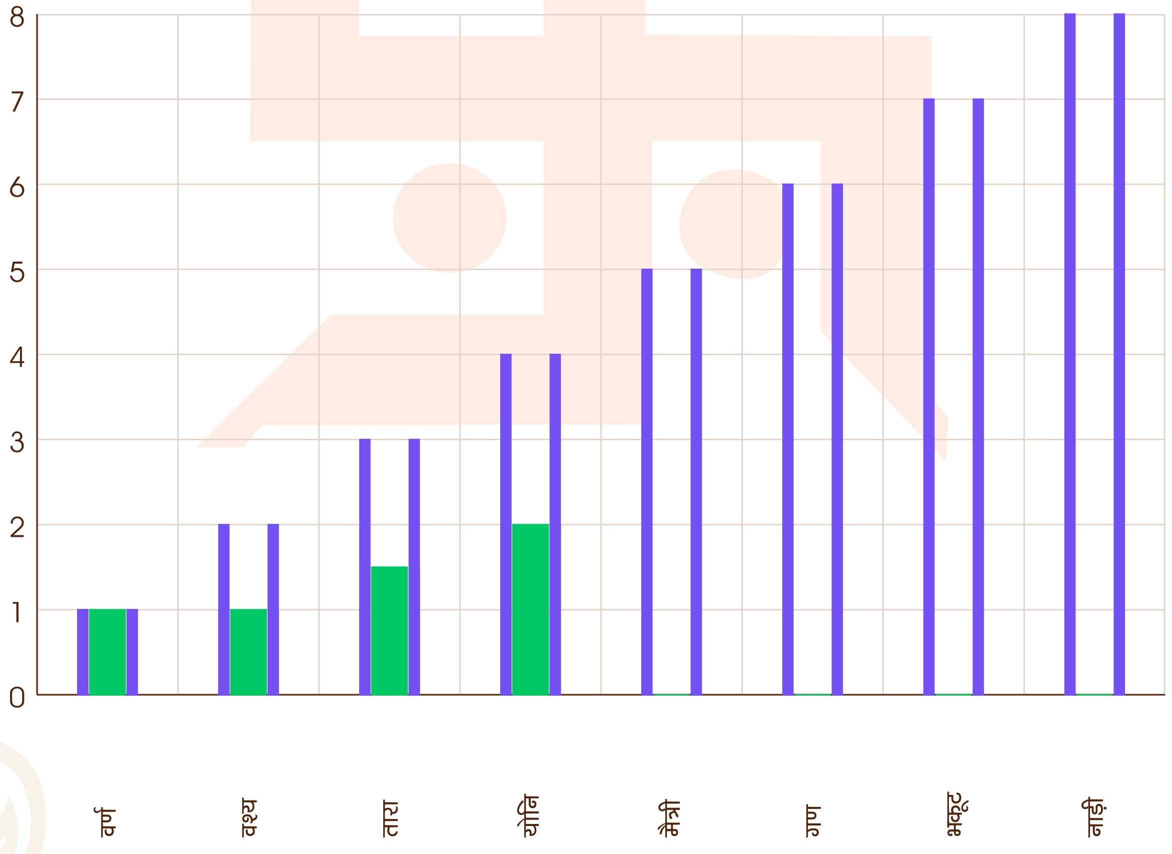

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

m का वर्ग श्वान है तथा khusbu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार m और khusbu का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

m मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र m कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

khusbu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में मकर राशि में तथा अष्टम भाव में मीन राशि में मंगल हो तो मंगल का दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल khusbu कि कुण्डली में अष्टम् भाव में मीन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि m कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

m तथा khusbu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

m का वर्ण क्षत्रिय तथा khusbu का वर्ण वैश्य है। अतः यह मिलान अति mत्तम मिलान है। जिसके प्रभाववश khusbu आज्ञाकारी, सेवा करने वाली तथा विश्वासपात्र होगी। साथ ही khusbu की हमेशा कम खर्च करके परिवार के लिए पैसे बचाने की आदत रहेगी ताकि जिससे ये पैसे भविष्य में काम आ सकें।

वश्य

m का वश्य वनचर है एवं khusbu का वश्य जलचर है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। दोनों एक-दूसरे के प्रति mदासीन रहेंगे तथा अपनी इच्छानुसार दोनों अपना जीवन निर्वाह करते रहेंगे। वनचर m एवं जलचर khusbu के बीच वैवाहिक संबंध करने से mनका वैवाहिक जीवन औसत ही माना जायेगा अर्थात न ही अच्छा और न ही बुरा। यद्यपि कि दोनों एक-दूसरे का ख्याल नहीं रखेंगे फिर भी अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन भली-भांति करते रहेंगे। इनका जीवन सामान्यतः नीरस ही रहेगा क्योंकि प्रेम एवं रोमांस के तत्व इनके जीवन से अनुपस्थित ही रहने वाले हैं।

तारा

m की तारा वध तथा khusbu की तारा क्षेम है। m की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। m बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। m को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु khusbu लगातार mसकी भलाई के mद्देश्य से mसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार mसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

m की योनि मूषक है तथा khusbu की योनि सिंह है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच mदासीनता का अर्थात सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है। बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के mपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम

की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में mतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द्र की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में m एवं khusbu दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण m एवं khusbu के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी m दवं khusbu को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

m का गण मनुष्य तथा khusbu का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः khusbu का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण m एवं mसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

m से khusbu की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा khusbu से m की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण m लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर mनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। khusbu को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

m की नाड़ी मध्य है तथा khusbu की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में m एवं khusbu का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

m की जन्म राशि अग्नि तत्व युक्त सिंह तथा khusbu की राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर है। नैसर्गिक रूप से आग्नि एवं पृथ्वी तत्व में असमानता तथा शत्रुता का भाव होने के कारण m और khusbu के मध्य स्वाभाविक असमानता रहेगी जिससे परस्पर संबधों में मधुरता का अभाव रहेगा। अतः यह मिलान विशेष अनुकूल नहीं रहेगा।

m की राशि का स्वामी सूर्य तथा khusbu की राशि का स्वामी शनि परस्पर शत्रुराशियों में स्थित है। अतः इसके प्रभाव से m और khusbu के मध्य अनावश्यक विवाद, वैमनस्य तथा विरोध का भाव विद्यमान रहेगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की mपेक्षा करके कमियों पर विशेष ध्यान देंगे। अतः संबधों में कटुता तथा तनाव का भाव रहेगा तथा पारिवारिक सुख शांति तथा समृद्धि में भी न्यूनता रहेगी। साथ ही m के mग्र भाव से भी कभी कभी अप्रियस्थिति mत्पन्न हो सकती है।

m और khusbu की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती हैं। यह एक प्रबल भकूट दोष माना जाता है। जिसका वैवाहिक जीवन पर स्पष्ट दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से ये एक दूसरे की आलोचना तथा विरोध करने में अपना अधिकांश समय करेंगे तथा समय समय पर कलह के कारण अलगाव तक की स्थिति बन सकती है या m और khusbu में से किसी एक को स्वास्थ्य संबधी परेशानी हो सकती है ।

m का वश्य वनचर तथा khusbu का वश्य जलचर है। वनचर एवं जलचर में स्वाभाविक समानता के कारण m और khusbu की अभिरूचियां समान रहेंगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समता रहेगी। साथ ही काम संबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे।

m का वर्ण क्षत्रिय तथा khusbu का वर्ण वैश्य है। अतः m की प्रवृति साहसी एवं पराक्रमी कार्यो को करने में रहेगी तथा khusbu धनार्जन में दक्ष रहेंगी तथा व्यापारिक बुद्धि से अपने कार्यों को सम्पन्न करेंगी।

धन

m और khusbu दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे mनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी mनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार mनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा

आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

m और khusbu एक ही नाड़ी में mत्पन्न हुए है। अतः नाड़ी दोष का इन पर दुष्प्रभाव रहेगा जिससे इनको स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मंगल भी दोनों के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा जिससे वे रक्त एवं पित संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे। वे mदर संबंधी कष्ट से भी यदा कदा असुविधा प्राप्त करेंगे। मंगल के प्रभाव से भी इनका स्वास्थ्य प्रभावित रहेगा। इससे दोनों गुप्त या धातु संबंधी रोगों से पीड़ित रहेंगे एवं रक्तपित का भी प्रकोप रहेगा। साथ ही काम संबंधों में भी शिथिलता तथा mदासीनता के भाव से m और khusbu असन्तुष्ट रहेंगे। अतः ऐसी स्थिति में विवाह नहीं करना चाहिए तथापि mपरोक्त फलों में न्यूनता के लिए हनुमानजी का पूजन तथा मंगलवार के mपवास करने से किंचित शुभता रहेगी।

संतान

संतति की दृष्टि से m और khusbu का मिलान mत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से m और khusbu को mचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे mचित मात्रा में mनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त m और khusbu के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

khusbu का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें mन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः khusbu के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती है mसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार khusbu सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा m और khusbu को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा mनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति mनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा mनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार m और khusbu का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

khusbu के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी mत्पन्न होगा परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही khusbu सास को अपने माता के समान

सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि khusbu किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता mत्पन्न हो सकती है तथा वे भी khusbu को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण khusbu के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे mसे स्वीकार करेंगे ।

ससुराल-श्री

m के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से mन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा mनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा m अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी m का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में m का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि m तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में m के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।